











# आजसू की कहानी सूर्य सिंह बेसरा की जुबानी



(झारखण्ड देखो /डेस्क)

इतिहास के झरोखे - सन 1986 की परिघटना है . दिन था 21 जून डॉक्टर पशुपति प्रसाद महतो के प्रस्ताव पर उड़ीसा राज्य के बारीपदा स्थित चित्रड़ा जाने का कार्यक्रम बना हम लोग सब पार्टी की कार्यक्रम में जमशेदपुर स्थित सोनारी में उपस्थित थे . 21 जून को सुबह अचानक डॉक्टर पशुपति प्रसाद महतो का प्रस्ताव आया और उसी के अनुरूप आस्तिक महतो की जीप गाड़ी जिसका नंबर 281 था उसी में सवार होकर डॉक्टर पशुपति प्रसाद महतो झारखंड मुक्ति मोर्चा के केंद्रीय अध्यक्ष निर्मल महतो के केंद्रीय सचिव शैलेंद्र महतो मोहन कर्म कार और मैं स्वयं सूर्य सिंह बेसरा सुबह-सुबह जमशेदपुर से बारी-बारी पारा के लिए रवाना हो गए . गाड़ी में सफर करते करते मैंने झारखंड मुक्ति मोर्चा की झार खंड का नामकरण को लेकर प्रस्ताव रख दी . इस विषय पर करीब 3 घंटे तक बस चली । मैंने संगठन की स्वरूप का प्राारूप पहले से तैयार करके रखा था मैंने उसी को प्रस्तुत करते हुए ऑल

झारखंड स्टूडेंट्स यूनिन (आजसू) का नामकरण के लिए प्रस्ताव रखा. इसकी प्रतिक्रिया स्वरूप शैलेंद्र महतो ने झारखंड छात्र मोर्चा का प्रस्ताव दिया. इन दो नामों के को लेकर काफी तर्क वितर्क हुई और बहस बाजी हुई. अंततः डॉक्टर पशुपति प्रसाद महतो और निर्मल महतो ने आजसू के नाम पर स्वीकृति प्रदान कर दी. तब तक हम लोग बारीपदा से करीब 25 किलोमीटर चित्रड़ा गांव पहुंच गए थे. उड़ीसा क्षेत्रों के झारखंड आंदोलनकारी श्री पदम लोचन ने कार्यक्रम का आयोजन किया था. हम लोगों को गर्मजोशी के साथ स्वागत किया. कार्यक्रम संपन्न होने के बाद खाने पीने के बाद उसी दिन हम लोग रात को जमशेदपुर लौट आए. दूसरे दिन यानी 22 जून था .सुबह करीब 10:00 बजे सोनारी स्थित झामुमो कार्यालय में एक आपातकालीन बैठक बुलाई; जिस में झारखंड मुक्ति मोर्चा के केंद्रीय अध्यक्ष निर्मल महतो .केंद्रीय सचिव शैलेंद्र महतो ;डॉक्टर पशुपति प्रसाद महतो आस्तिक महतो पत्रकार केदार महतो सुनील वरन बनर्जी( टेलीग्राफ )एसएन सिंह (इंडियन नेशन )इफितखार हुसैन (आदितवाणी) की उपस्थिति में ऑल झारखंड स्टूडेंट्स यूनिन( आजसू ) के नामकरण का प्राारूप प्रस्तुत किया ;जिसका सर्वसम्मति से पारित किया गया . इस प्रकार झारखंड के इतिहास में 22 जून 1986 को ऑल झारखंड स्टूडेंट्स यूनिन (आजसू) की गठन बहुत बड़ी पूरी घटना है. 22 जून को ही आजसू की सिंहभूम जिला कमेटी का गठन भी किया गया . जिसका पहला अध्यक्ष- सुसेन महतो ,सचिव - गोपाल बैनर्जी एवं विद्युत वरण महतो को कोषाध्यक्ष मनोनीत किया गया . उसी बैठक में निर्णय लिया गया कि संयोजक सूर्य सिंह बेसरा ,बबलू मुर्मू और हरी शंकर महतो को

25 जुलाई को ऑल असम स्टूडेंट यूनिन( आसू) के नेता सह- असम के मुख्यमंत्री प्रफुल्ल कुमार महंत तथा गोरखलैंड के नेता सुभाष चिसिंग ) से भेंट वार्ता के लिए जाएंगे . इसके पूर्व 1979 में जमशेदपुर स्थित बारी मैदान में छोटानागपुर संथाल परगना युवा छात्र संघर्ष मोर्चा के बैनर तले एक विशाल जनसभा में उपस्थित पहली बार मेरी मुलाकात शैलेंद्र महतो से हुई थी ;उसी दिन मैंने उनके साथ घोड़ा बंदा आएं . शैलेंद्र महतो ने ही मुझे 979 में ही झारखंड मुक्ति मोर्चा में शामिल कराया था. 1980 में शैलेंद्र महतो और मैं दोनों की जुगल जोड़ी नेतृत्व में मुसाबनी में पहली बार दिशोम गुरु शिबू सोरेन की ऐतिहासिक विशाल जनसभा का आयोजित किया था . 1983 में झामुमो की पहली महाधिवेशन धनबाद जिले के सराय देला में संपन्न हुई थी. जहां मुझे पार्टी के केंद्रीय कार्यकारिणी सदस्य के रूप में शामिल किया गया था । झामुमो की द्वितीय महाधिवेशन 27 - 28 एप्रिल 1986 को रांची स्थित टाउन हॉल में संपन्न हुई थी. जहां मैंने पार्टी की छात्र संगठन का इकाई का गठन करने का प्रस्ताव रखा था.जिसका सर्वसम्मति से पारित किया गया था.उसके बाद 1 जून 1986 को बोकारो में केंद्रीय कमेटी की बैठक में मुझे छात्र संगठन बनाने के लिए संयोजक मनोनीत किया गया था . उन दिनों 1979 से लेकर 1985 तक पूर्वोत्तर राज्यों में छात्रों का उग्र आंदोलन हो रहा था .ऑल असम स्टूडेंट यूनिन (आसू) की हिंसक आंदोलन तथा युवा छात्रों को असम सरकार देश और दुनिया की अखबारों की सुर्खियों में था. पूर्वोत्तर राज्यों के छात्रों की हिंसक आंदोलन से प्रेरित होकर ऑल असम स्टूडेंट यूनिन (आसू) के तर्ज पर मैंने अपना विवेक बुद्धि से 22 जून 1996 को ऑल झारखंड स्टूडेंट यूनिन( आजसू )

की स्थापना किया . मेरे नेतृत्व में 1989 में 72 घंटे की झारखंड बंद के परिणाम स्वरूप केंद्र सरकार को झारखंड वार्ता के लिए पहली बार बाध्य किया गया .जो झारखंड राज्य निर्माण में निर्णायक साबित हुआ और तो और आजसू के झारखंड आंदोलन से 50 साल पुरानी झारखंड आंदोलन की दिशा ही बदल गया. इस प्रकार झारखंड राज्य निर्माण में आजसू का बहुत बड़ा योगदान रहा है . सुदेश कुमार महतो सन 2000 में सिल्ली विधानसभा से आजसू के समर्थित उम्मीदवार के रूप में चुनाव लड़े और निर्वाचित हुए. सुदेश कुमार महतो ने आजसू के नेताओं को विश्वास में नहीं लेकर फर्जी शपथ पत्र दाखिल कर गए. भारत निर्वाचन आयोग में उन्होंने 2002 में आवेदन दिया और ऑल झारखंड स्टूडेंट्स यूनिन के नाम से पार्टी पंजीकरण के लिए आवेदन दिया था .जिसका आपत्ति मैंने चुनाव आयोग को दिया और 2003 में जांच पड़ताल में पाया गया कि सुदेश कुमार महतो का आवेदन फर्जी है और प्रॉड तरीके से उन्होंने ऑल झारखंड स्टूडेंट्स यूनिन को पार्टी के नाम से पंजीकरण करने का प्रयास किया था. चुनाव आयोग ने उनको नोटिस जारी किया है और अविरोध नाम को बदलने के लिए उसको निर्देश दिया गया.तत्पश्चात सुदेश कुमार महतो ने 2007 में जमशेदपुर में महा अधिवेशन बुलाकर आजसू पार्ट-ी का नामकरण किया यानी आजसू ब्रांडेड नाम पर हायजेक करके आजसू पार्टी के नाम से राजनीतिक पार्टी का गठन किया और भारत निर्वाचन आयोग से पंजीकृत कर लिया. इस प्रकार मेरे -द्वारा नेतृत्व में आजसू बनाया था .वह आजसू खून देने वाला मजनु था और आज का आजसू पार्टी यानी सुदेश महतो का दूध पीने वाला मजनु बन गया है।

## रकुल प्रीत का फूटा गुस्सा

अपनी एक्टिंग के दम पर लोगों का दिल जीतने वाली अभिनेत्री रकुल प्रीत सिंह सोशल मीडिया पर एक्टिव रहती हैं। इसी बीच एक मीडिया रिपोर्ट में दावा किया है कि अभिनेत्री के पास टॉलीवुड में कोई काम नहीं है। रिपोर्ट के अनुसार रकुल प्रीत सिंह ने एक इंटरव्यू में बताया कि वो बैक-टू-बैक कई परियोजनाओं में व्यस्त हैं और तेलुगु फिल्म में उनके लिए कोई ऑफर नहीं है। एक्ट्रेस बॉलीवुड में कमर्शियल फिल्म करना चाहती हैं और सही मौके का इंतजार कर रही हैं। अब एक्ट्रेस ने अपने आधिकारिक ट्विटर पर आर्टिकल का लिंक शेयर करते हुए खंडन किया है। उन्होंने ट्विटर पर लिखा, 'मुझे आश्चर्य है कि मैंने ये कब कहा। दोस्तों साल में केवल 365 दिन होते हैं और अगर आप छह से अधिक फिल्मों को काम कर रहे हैं, जो मैं अभी कर रही हूँ। तो कृपया मेरी टीम को मदद करें।' बता दें कि रकुल प्रीत सिंह को तेलुगु फिल्मों में आखिरी बार साल 2020 में देखा गया था। इस फिल्म में रकुल प्रीत सिंह के साथ साउथ के अभिनेता नितिन और अभिनेत्री प्रिया प्रकाश वारियर ने भी अहम किरदार निभाए हैं।



## शिल्पा ने बताए योग के फायदे

सोमवार

21 जून को दुनिया भर में 7वां

योग दिवस मनाया गया। इस अवसर पर नेता,

अभिनेता योगासन करते वक के फोटोज वीडियो सोशल

मीडिया पर शेयर कर फैंस को योग करने की सलाह दी। इसी

बीच अभिनेत्री शिल्पा शेड्डी ने अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम पर एक

वीडियो शेयर किया, जिसमें वो लोगों को योग से होने वाले फायदों के

बारे में बता रही हैं। वीडियो की शुरूआत में अभिनेत्री सभी को योग दिवस

की शुभकामनाएं देते हुए आत्मनमस्ते कर रही हैं। साथ ही सभी के सुख, शांति

और स्वास्थ्य की प्रार्थना कर रही हैं। इसके बाद वो वीडियो में कहती हैं कि आज

लोगों को सांस के बारे में बताएंगी, क्योंकि सांस हमारे लिए महत्वपूर्ण है। इस

मुश्किल वक्त में हमको अपनी सांसों पर कंट्रोल करने की जरूरत है, जो हमारी

ब्रथ को कंट्रोल करते उसको प्राणायाम कहते हैं। तो आज इस योग दिवस के

मौके पर मैं आपको भ्रामरी प्राणायाम का अभ्यास करने व बताने जा रही हूँ।

जो हमारे शरीर व मस्तिष्क को शांत करता है, तनाव को दूर करता है और

एकग्रता में सुधार करता है। वीडियो में वो आगे कहती हैं कि भ्रामरी

प्राणायाम हार्मिंग की ओम ध्वनि के माध्यम से 15 प्रतिशत नार्डी-

ट्रक ऑक्साइड उपन्न करता है, जो कोविड-19 से ठीक

होने में मदद करता है। साथ ही उन्होंने फैंस से

योग करने का आग्रह किया है।



ANI

## डब्बू रतनानी के कैलेंडर के लिए आलिया भट्ट ने करवाया हॉट फोटोशूट, तस्वीर वायरल

सेलिब्रिटी फोटोग्राफर डब्बू रतनानी का कैलेंडर हर साल सुर्खियों में छाया रहता है। इस कैलेंडर में कई बॉलीवुड सेलेब्स का ग्लैमरस और बोल्ड अंदाज नजर आता है। डब्बू रतनानी के 2021 कैलेंडर से अब तक कई बॉलीवुड एक्ट्रेस के फोटोशूट सामने आ चुके हैं।

आलिया भट्ट डब्बू रतनानी के लिए अब तक कई बार फोटोशूट करवा चुकी हैं। इस एक बार टॉपलेस अवतार में भी नजर आई थीं।